आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 8 • अंक-2276 • उदयपुर, गुरुवार 18 मार्च, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

नई प्रणाली से देश की कोई भी सूचना नहीं हो पाएगी लीक

उपग्रह तकनीक के जरिए क्वांटम संचार पर प्रयोग कर रहे शहर के रमन रिसर्च इंसटीट्यूट (आरआरआइ) के वैज्ञानिकों ने देश को बड़ी सफलता मिलने का दावा किया है।

क्वांटम संचार प्रणाली ब्रेकिंग, रक्षा व सामरिक एजेंसियों के लिए सुरक्षित संचार स्थापित करने में अत्यंत कारगर साबित होगी। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि यह देश के विजन के अनुरूप है जो संचार व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला साबित होगा। इस प्रणाली के जरिए होने वाला संचार अभेद्य होगा और घुसपैठ की हर कोशिश नाकाम होगी।

आरआरआइ की वैज्ञानिक प्रोफेसर उर्वशी सिन्हा के नेतृत्व में और इसरो के सहयोग से यह प्रयोग वर्ष 2017 से हो रहा था। यह देश की पहली क्वांटम परियोजना थी जिसमें सफलता का दावा किया गया है। क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी) प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर पहली बार वैज्ञानिकों ने आरआरआइ के दो भवनों के बीच सफलतापूर्वक संचार किया। यह एन्क्रिप्शन को साझा करने का सबसे सशक्त तरीका है।

उपग्रहों से नियंत्रित होगी संचार प्रणाली

वायुमंडल चैनल के उपयोग से पहली बार इस तरह संचार स्थापित किया है इससे वायुमंडलीय चैनल के माध्यम से लंबी दूरी के संचार का मार्ग प्रशस्त होगा। अंततः अंतरिक्ष में स्थापित उपग्रहों से धरती के बीच क्वांटम संचार सुनिश्चित होगा जो अल्ट्रा–हाई सिक्यरिटी पर आधारित है।

सूचना को डिकोड करना नामुमकिन

क्वांटम आधारित संचार, एन्क्रप्शन कुंजियों को सुरक्षित रूप से साझा करने में पूर्णतः सक्षम है। इसमें दी गई सूचनाएं पृथक नहीं की जा सकेगी। सूचना डिकोड करने की कोशिश होने पर एन्क्रिप्शन तुरंत बदलेगा जिससे छेड़छाड़ का पता लग जाएगा।

अंतरिक्ष में इसरो की एक और सफल उड़ान

इसरो ने अंतरिक्ष में एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। इसरो ने इस साल के अपने पहले मिशन को आज सफलतापूर्वक लांच कर दिया। इसरो ने श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एमाजोनिया –1 और 18 अन्य उपग्रहों को ले जाने वाले PSLV–C51 को सफलतापूर्वक लांच किया। 2021 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), का यह पहला लांच है। यह अब तक के सबसे लंबे स्पेस ऑपरेशन में शामिल है। इसरो के मुताबिक, सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी), एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी–51, एमाजोनिया–1 मिशन का लांच हुआ।

इस मिशन के सफल लांच के बाद इसरो के प्रमुख के सिवन (ISRO Chief K Sivan) ने कहा है कि इस मिशन में भारत और ISRO, ब्राजील द्वारा एकीकृत पहले उपग्रह को लांच करने पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी सैटेलाइट्स बहुत अच्छी हालत में हैं। उन्होंनें कहा कि मैं ब्राजील की टीम को बधाई देता हूं।

इसरो के मुताबिक, ब्राजील के एमाजोनिया–1 प्राइमरी सेटेलाइट के साथ ही पीएसएलवी–सी 51 से 18 और सेटेलाइट लांच किए जाएंगे। यह पीएसएलवी का 53वां मिशन है। पीएसएलवी–सी 51, एमाजोनिया––1 अंतरिक्ष विभाग के तहत सरकारी कंपनी न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल), का पहला समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। एनएसआइएल इस मिशन को अमेरिका की स्पेसलाइट इंक के साथ वाणिज्यिक अनुबंध के तहत पूरा कर रही है। एमाजोनिया–1 के साथ जिन अन्य 18 सेटेलाइट को लांच किया गया है. उनमें चार इसरो के इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अथाराइजेशन सेंटर और 14 एनएसआइएल के हैं।

पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) सी–51 अमेजोनिया–1 इसरो की वाणिज्य इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का पहला समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। अमेजोनिया–1 के बारे में बयान में बताया गया है कि यह उपग्रह अमेजन क्षेत्र में वनों की कटाई की निगरानी और ब्राजील के क्षेत्र में विविध कृषि के विश्लेषण के लिए उपयोगकर्ताओं को दूरस्थ संवेदी आंकड़े मुहैया कराएगा तथा मौजूदा ढांचे को और मजबूत बनाएगा।

सेवा–जगत्
सेवा पथ पर आपका नारायण सेवा संस्थान

संस्थान शाखा पटना में 45 गरीब परिवारों को राशन वितरण

नारायण सेवा संस्थान कोरोना के कारण लगे लॉकडाऊन, बाद में अनलॉक व इसके बाद महामारी के चलते बेरोजगार हुए गरीब कामगारों को निःशुल्क राशन का वितरण कर रहा है। इसमें असहाय, दिव्यांग भी शामिल हैं। संस्थान मुख्यालय उदयपुर के तत्वावधान में विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में तथा देशभर के विभिन्न शाखाओं द्वारा निःशुल्क राशन किट वितरण कर रहे हैं। 50000 परिवारों को राशन निःशुल्क दिया जाने का संकल्प है। इसके तहत् पटना के 45 परिवारों को निःशुल्क राशन दिया गया। शिविर प्रभारी संदीप जी भटनागर एवं मुख्य अतिथि श्री संजीव जी चौरसिया विधायक महोदय दीघा, विशिष्ट अतिथि श्री राहुल जी रंजन महामंत्री, विशिष्ट अतिथि श्री अशोक सिंघानीया, श्री रोशन जी श्रीवास्तव, श्रीप्रभात जी झा. श्री विशाल जी कई समाजसेवी महानुभाव उपस्थित थे। गणमान्य अतिथियों ने जरुरतमंद गरीब परिवारों को राशन किट बांटे। प्रत्येक किट में 20 किलो आटा, 5 किलो दाल, 5 किलो चावल,2 किलो तेल, 2 किलो शक्कर व 2 किलो नमक आदि साम्रगी थी। पूरी टीम ने चयनित परिवारों को राशन वितरण में सहयोग प्रदान किया।

गीता की आंखों के आंसू पौंछे

उदयपुर (राजस्थान) जिले के आदिवासी बहुत क्षेत्र चारों का फला निवासी गीता बाई 40 का घर संसार आज से 6 वर्ष पूर्व खुशियों को तब तहस नहस कर दिया, जब युवावस्था में ही पति की थोड़े दिनों की बीमारी के बाद आकस्मिक मृत्यु हो गई। तब 34 वर्ष की गीता की गोद में दो नन्हें बच्चें थे। एक लड़की बड़ी थी जिसके हाथ मेहनत,मजदूरी कर इसने पति की मौत के बाद पीले कर दिए। पिछले 6 वर्षो से यह खेतों कमठाणों में जहां भी मजदूरी मिली कर लेती है और दोनों बच्चों की परवरिश कर रही है। इन्हें कभी भूखा नहीं सोना पड़ा। लेकिन समय ने एक बार इसके सामने फिर चुनौती नहीं थी, यह तो वैश्विक महामारी कोविड– 19 के रूप में पूरी दुनिया के सम्मुख थी किंतु गरीबों और मजदूरी कोविड़– 19 के रूप पूरी दुनिया के सम्मुख थी किंतु गरीबों और मजदूरों के लिए तो बहुत ही दुःखदायी थी। मार्च– अप्रैल में लॉकडाउन लागू होने से मजदूरी बंद हो गई। काम काज ठप थे। ऐसे में गीता के पास खाने को घर में कुछ दिनों का आटा मसाला था। वह भी जब खत्म हो गया तो उसकी आंखों में सिर्फ आंसू बचे थे। इस स्थिति में नारायण गरीब परिवार राशन योजना को लेकर संस्थान के सेवादूत उस क्षेत्र में पहुंचे और गीता और उसके जैसे ही गरीब बेरोजगार परिवारों को एक – एक माह का राशन दिया। उन्हें स्थायी रूप से इस सहायता के लिए पंजीकृत भी कर दिया । गीता और उसके बच्चे भी अन्य सहायता प्राप्त परिवारों की तरह खुश हैं। उनके घर हर माह राशन पहुंच रहा है।

भगवान अच्छा ही करते है

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक सुअर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोंक से उनकी उँगली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे। मंत्री की ओर देखने पर मंत्री बोले–"राजन ! भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है।" राजा पीड़ा में थे ही, मंत्री की बात सुन क्रोध से भर उठे। उनहोने मंत्री का आज्ञा दी कि वो उसी समय उनका साथ छोड़कर अन्य राह पकड़ लें। मंत्री ने आदेश को सहर्ष स्वीकार किया और भिनन दिशा में निकल पड़े।

इधर राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें नरभक्षियों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास लें चले। राजा को बलि देने की तैयारी हो रही थी कि उनके पुजारी ने राजा की कटी उंगली देखी तो कहा–"इसका तो अंग भंग है, इसकि बलि स्वीकार नहीं हो सकती।" राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें मंत्री की बात याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे– भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता हैं। मुझे उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए था। ऐसा सोचते ही वे आगे बढ़ रहे थे कि उन्हें मंत्री नदी किनारे भजन करते दिखाई पड़ें राजा ने प्रेमपूर्वक मंत्री को गले लगाया और उन्हें सारा घटनाक्रम कह सुनाया। तदुपरांत राजा ने उनसे प्रश्न किया–"मेरी उंगली कटी, इसमें भगवान ने मेरा भला किया, पर तुम्हें मैंने अपमानित करके भगाया, इससे भला तुम्हारा क्या भला हुआ?" मंत्री मुसकराए और बोले– "राजन! यदि आपने मुझे भिन्न राह पर न भेजा होता और मैं आपके साथ होता तो अंग भंग के कारण नरभक्षी आपकी बलि न देते, पर मेरी बलि चढ़नी सुनिश्चित थी। इसलिए भगवान जो करते हैं, अच्छा ही करते हैं।"

मुसीबत से डरकर भागो मत, उसका सामना करो

एक बार बनारस में स्वामी विवेकानन्द जी मां दुर्गा जी के मंदिर से निकल रहे थे कि तभी वहां मौजूद बहुत सारे बंदरों ने उन्हें घेर लिया। वे उनसे प्रसाद छीनने लगे वे उनके नजदीक आने लगे और डराने भी लगे। स्वामी जी बहुत भयभीत हो गए और खुद को बचाने के लिए दौड़ कर भागने लगे। वो बन्दर तो मानो पीछे ही पड़ गए और वे भी उन्हें पीछे पीछे दौड़ने लगे।

पास खड़े एक वृद्ध संन्यासी ये सब देख रहे थे, उन्होनें स्वामी जी को रोका और कहा– रुको! डरो मत, उनका सामना करो और देखो क्या होता है? वृद्ध सन्यासी की ये बात सुनकर स्वामी जी तुरंत पलटे और बंदरों की तरफ बढने लगे। उनके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब उनके ऐसा करते ही सभी बन्दर तुरंत भाग गए। उन्होनें वृद्ध सन्यासी को इस सलाह के लिए बहुत धन्यवाद किया।

इस घटना से स्वामी जी को एक गंभीर सीख मिली और कई सालों बाद उन्होंने एक संबोधन में इसका जिक्र भी किया और कहा– यदि तुम कभी किसी चीज से भयभीत हो, तो उससे भागो मत, पलटो और सामना करो। वाकई, यदि हम भी अपने जीवन में आये समस्याओं का सामना करें और उससे भागें नहीं तो बहुत सी समस्याओं का समाधान हो जायेगा!

भगवान के रुप

एक समय मोची का काम करने वाले व्यक्ति को रात में भगवान ने सपना दिया और कहा कि कल सुबह मैं तुझसे मिलने तेरी दुकान पर आऊंगा । मोची की दुकान काफी छोटी थी और उसकी आमदनी भी काफी सीमित थी।

खाना खाने के बर्तन भी थोडे से थे। इसके बावजुद वह अपनी जिंदगी से खुश रहता था। एक सच्चा ईमानदार और परोपकार करने वाल इंसान था। इसलिए ईश्वर ने उसकी परीक्षा लेने का निर्णय लिया। मोची ने सुबह उठते ही तैयारी शुरू कर दी।

भगवान को चाय पिलाने के लिए दुध चायपती और नाश्ते के लिए मिठाई ले आया। दुकान को साफकर वह भगवान का इंतजार करने लगा। उस दिन सुबह से भारी बारिश ही रही थी। थोडी देर में उसने देखा कि एक सफाई करने वाली बारिश के पानी में भीगकर ठिठूर रही है। मोची को उसके ऊपर बड़ी दया आई और भगवान के लिए लाए गये दूध से उसको चाय बनाकर पिलाई। दिन गुजरने लगा । दोपहर बारह बजे एक महिला बच्चे को लेकर आई और कहा कि मेरा बच्चा भूखा है। इसलिए पीने के लिए दूध चाहिए।

मोची ने सारा दूध उस बच्चे को पीने के लिए दे दिया । इस तरह से शाम के चार बज गए।

मोची दिन भर बड़ी बेसब्री से भगवान का इंतजार करता रहा । तभी एक बुढ़ा आदमी जो चलने से लाचार था आया और कहा कि मैं भूखा हूँ और अगर कुछ खाने को मिल जाए तो बड़ी मेहरबानी होगी। मोची ने उसकी बेब्रसी को समझते हुए मिठाई उसको दे दी। इस प्रकार दिन बीत गया और रात हो गई रात होती मोची के सब्र का बांध टूट गया और वह भगवान को उलाहना देते हुए बोला कि वाह रे भगवान सुबह से रात कर दी मैंने तेरे इंतजार में । लेकिन तू वादा करने के बाद भी नहीं आया। थ्या मैं गरीब ही तुझे बेवफूफ बनाने के लिए मिला था। तभी आकाशवाणी हुई और भगवान ने कहा कि मैं आज तेरे पास एक बार नहीं तीन बार आया और तीनों बार तेरी सेवाओं से बहुत खुश हुआ और तूं मेरी परीक्षा में भी पास हुआ है। क्योंकि तेरे मन में परोपकार और त्याग का भाव सामान्य मानव की सीमाओं से परें है। भगवान ना जाने किस रूप में हमसे मिल ले हम नहीं जान पाते हैं। अतः अच्छे कर्म करते रहे।

देशभर में नारायण सेवा संस्थान की शाखाएं

जबलपुर
आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माधोंतल, जिला - जबलपुर (म.प्र.)

कोरबा
श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा (छ.ग.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा,मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर,द्वितीय मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद (हरियाणा)

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991 9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

शाहदरा शाखा
विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा,ईस्ट दिल्ली

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल,मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

अम्बाला केन्ट
श्री मुकुट बिहारी कपूर ,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001(हरियाणा)

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोंटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

अजमेर
सत्य नारायण कुमावत
मो. 9166190962,कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, जिला अजमेर (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा,मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

रतलाम
चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम (म.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा, हरि.

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

पाचोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मन्दसौर
मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9758310864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

डोडा
श्री विकम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा (ज.क.)

चुरु
श्री गोरधन शर्मा,मो. 09694218084,गाँव व पोस्ट - झोंथड़ा, त. तारानगर, चुरू-331304 (राज.)

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना,मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,मो. 9887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर (राज.)

नई दिल्ली
श्री आदेश गुप्ता, मो.9810094875, 9899810905
मकान नं. : ए-141, लोक विहार, पितमपुरा, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली

आकोला
हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

पलवल
वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल (हरि.)

बरैली
कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला - बरैली- (उ.प्र.)

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग (झारखण्ड)

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

खरसिया
श्री बजरंग बंसल,मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब शनि मन्दिर के पास,खरसिया (छ.ग.)

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

नरवाना(हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग,मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना,जीन्द

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा,मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला,मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

बालोद
बाबूलाल संजय कुमार
जैन मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा
मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

धनबाद(झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापों खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग (झारखण्ड)

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

बरैली
विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरैली (उ.प्र.)

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,मो.-09024749075,
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर (राज.)

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया ,मो. 09418061161
जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

झारखण्ड
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641,
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट
राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़ (झारखण्ड)

सम्पादकीय

मनुश्य उन वस्तुओं और व्यक्तियों के पीछे अहर्निं ा पागलों की तरह भाग रहा है, जो स्थायी रूप से उसके पास रहने वाली नहीं है। दुःख इस बात का है कि इसे समझते–बूझते भी वह इससे आँख मूंदे हुए है। सब जानते हैं कि एक न एक दिन मरना है, किन्तु उस मरण को सुधारने का प्रयत्न नहीं करते। मनुश्य अच्छी–बुरी हर परिस्थिति में सत्य पथ पर अविचलित चलता रहे तो उसे जीवन में अपने–पराए का बोध और दुख कभी अनुभव भी नहीं होगा। इच्छाओं के पूर्ण न होने पर ही मनुश्य दुखपूर्ण जीवन व्यतीत करता है।

जीवन के हर मोड़ पर लिये जाने वाले छोटे या बड़े निर्णयों का आधार हमारे उद्दे य पर निर्भर है, जहाँ उद्दे य नहीं वहाँ जीवन नहीं। यही बात हमारे ऋशि–मुनि, सन्त और भाास्त्र भी करते रहे हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि आखिर उद्दे य क्या हो और उसे निर्धारित कैसे करें? इसका हमारे पुरखों ने बहुत सीधा–सादा उत्तर भी तला ाकर हमें दिया है और वह है –केवल यह जान लें कि "मैं कौन," इस विशय में यदि हम जागरूक हो गए तो उद्दे य तो मिला ही, जीवन की कई समस्याओं का हल भी मिल जाता है। "मैं" से ऊपर उठकर हम सत्य को, वास्तविकता को स्वीकार करने लगेंगे तो सन्देह के सारे बादल छंट जाएंगे।

कुछ काव्यमय

जब तक भू पर एक भी,
बाकी रहे अनाथ।
तब तक कैसे बैठ लें,
धरे हाथ पर हाथ।।
जिनके मन में उपजते,
सेवा के सद्भाव।
नाविक बन खेते प्रभु,
उनकी जीवन नाव।।
दीन दुःखी की पीर हर,
देना होगा त्राण।
तभी मुखर कुरआन हो,
वाणी पिटक पुराण।।
कदम–कदम पर हे प्रभो,
उठते ये उद्गार।
आंसू ना देखूं कहीं,
नहीं सुनूं चीत्कार।।
सेवा–रथ के सारथी,
बनना होगा आज।
गीता–ज्ञान मिले तभी,
समरस बने समाज।।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

अपनों से अपनी बात

सदुपयोग कैसे करें

बहुत लोग ऐसे हैं ....जो सोचते हैं, उनकी आवश्यकताओं की कोई सीमा नहीं.... जो पास में है, उसका दुगुना चाहिए..... दुगुने का चौगुना चाहिए... और इस तरह चाह अनन्त बढ़ती ही जाती है।

....दूसरी तरफ वे लोग हैं... उनकी भी चाहत है..... उन्हें भी मिलता है, पर .....उनके पास कुछ भी टिकता ही नहीं.....

वे तो अपना सब कुछ असहाय, निर्धन, दिव्यांग, वृद्धजनों की सेवा के लिए.... अपना सब कुछ देने को सदैव तत्पर रहते हैं.....उन्हें न नाम का मोह है.... न यश की लिप्सा है.... और न ही अपनी अहंता का दूसरों पर बलात् आरोपण...उन्हें केवल प्राणिमात्र की भलाई ही प्रिय है.... दूसरों के दुःखों का निवारण ही उनकी साधना है.... पूजा है.... ध्यान है। ....वे विरले ही हैं... . वे साधु हैं.....

भावनाओं के इस खेल के पीछे प्रभु की बहुत बड़ी शक्ति काम कर रही है.... प्रभु उन्हें भी दे रहा है..... जो

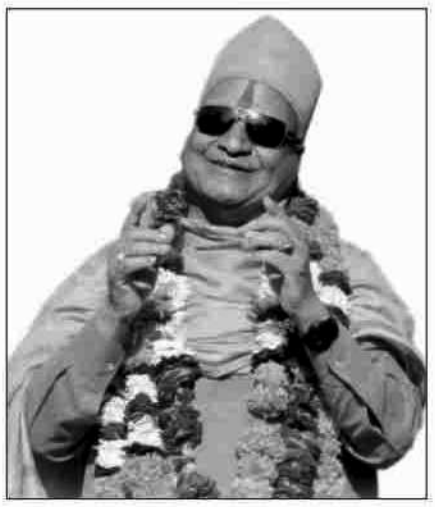

केवल संग्रह करना जानते हैं, न स्वयं उपयोग–उपभोग करते हैं.... न दूसरों की सेवा सहायता के लिए दान करते हैं.... उनका धन तो बस ....नाश की प्रतीक्षा में संग्रह किया पड़ा रहता है....

इसके विपरीत प्रभु उन्हें भी प्रभूत मात्रा में दे रहा है.... जो अपने पास संग्रह नहीं करके निर्धन, असहाय, दिव्यांग भाई– बहीनों व बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा करने में अपने धन का दान कर देते हैं.... दोनों को मिल रहा है..... पर यह रहता यहीं का यहीं है. .... एक स्थान पर अनुपयोगी होकर निरर्थक पड़ा रहता हैं.... तो दूसरे स्थान पर सतत भ्रमण करता हुआ..... अनेक हाथ–पैरों की सहायता करता हुआ निरन्तर गतिमान.... वृद्धि को प्राप्त करता है.....

ये हैं दो परिदृश्य..... प्रभु द्वारा उपलब्ध करवाई गई सम्पत्ति और वैभव के .....प्रभु की कृपा से प्राप्त हमारी सम्पत्ति का उपयोग– अनुपयोग, सदुपयोग–दुरूपयोग करना हमारे संस्कार, संकल्प और विवेक पर निर्भर करता है.... सब कुछ ब्रह्माण्ड में विहित है.... सब कुछ ब्रह्माण्ड में ही विलीन होता है....

अतः हम निरन्तर प्रार्थना करें सद्भाव और सेवा की ....हम ब्रह्माण्ड से अवश्य मांगे, कोमल– करुणामय भावनाओं का विस्तार, उनकी प्राप्ति पर पूरा यकीन, भरोसा तथा विश्वास... . और आप हम देखेंगे कि हमें वह सब प्राप्त हो रहा है.....जो हमने चाहा है..... जो हमने मांगा है, प्राणिमात्र की सेवा के लिए... मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा धर्म होता है।

– कैलाश 'मानव'

हमारी बेटियाँ

एक बार किसी संत की भव्य सभा में यकायक एक किशोर लड़की खड़ी हो गई। उसकी आँखों में ढेर सारे प्रश्न थे। उसके हाव–भाव को देखकर संत ने पूछा –बेटी, क्या बात है? कुछ कहना चाहती हो क्या?

इस पर लड़की ने उत्तर दिया– महाराज जी, हमारे समाज में लड़कों को हर प्रकार की आजादी होती है। वे कभी भी कहीं भी आएँ–जाएँ, जो चाहे, वो करें, कोई रोक–टोक नहीं। इसके विपरीत लड़कियों को बात–बात में टोका जाता है। यथा–यह मत करो–वह मत करो, यहाँ मत जाओ–वहाँ मत जाओ, घर जल्दी आना आदि–आदि।

लड़की की बात सुनकर संत थोड़ा मुसकराए और बोले–बेटी, क्या तुमने लोहे की दुकान के बाहर रखे लोहे के भारी गर्डर देखे हैं? ये भारी गर्डर सर्दी–गर्मी–बारिश, रात–दिन इसी प्रकार पड़े रहते हैं। इसके बावजूद उनका कुछ नहीं बिगड़ता और उनकी कीमत में भी कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता। लड़कों के लिए भी समाज में कुछ ऐसी ही सोच है।

अब तुम एक हीरे–जवाहरात की दुकान में रखी एक बड़ी–सी तिजोरी, उसमें रखी एक छोटी तिजोरी, उसमें रखी छोटी–सी एक डिब्बी, उस डिब्बी में रखा नर्म, कोमल–सा मखमल का कपड़ा और उस कपड़े में नजाकत से रखे, एक छोटे–से चमचमाते शानदार हीरे के बारे में सोचो।

यह हीरा ही लड़कियाँ हैं। एक जौहरी ही जानता है कि हीरे की कीमत क्या है और वह यह भी जानता है कि यदि उस हीरे पर हल्की–सी भी खरोंच आ गई तो उस हीरे की कोई कीमत नहीं रहेगी। यही अहमियत है लड़कियों की समाज में। वे पूरे घर को रोशन करते झिलमिलाते हीरे के समान हैं, जरा–सी खरोंच से उसके और उसके परिवार के पास कुछ नहीं बचता है। अतः बेटियों को हीरे के समान ही सम्भाल कर रखना चाहिए।

संत की बात सुनकर वह लड़की और पूरी सभा अवाक् रह गई। उन सभी की आँखों की नमी यह बता रही थी कि लोहे और हीरे में क्या फर्क है?

– सेवक प्रशान्त भैया

एक सेवाभावी मानव की जीवनी

(वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल द्वारा लिखित–झीनी–झीनी रोशनी से)

पूरे पार्क की सुरक्षा व्यवस्था की जांच हो जाने के बाद इन दोनों को सबसे पहले प्रवेश दे दिया गया। धीरे–धीरे पार्क में भीड़ बढ़ती गई, विशिष्ट अतिथि भी आने लगे। सुन्दर सिंह भण्डारी तब गुजरात के राज्यपाल थे, वे उदयपुर के ही थे इसलिये कैलाश उनसे आकर्षित था। जब भण्डारी उसकी बगल में आकर बैठ गए तो उसके अचरज व प्रसन्नता का पारावर नहीं था। कैलाश ने उन्हें अपना परिचय दिया, अपना कार्ड भी दिया।

शीघ्र ही अटल बिहारी वाजपेयी भी आ गये, उनके साथ एक बहुत बड़े संत और कई अन्य नेतागण भी थे, इन्हीं में नरेन्द्र मोदी भी थे। इन्हें कोई नहीं जानता था मगर भाजपा के प्रभारी के रूप में कैलाश उन्हें पहचानता था। तब किसी को लेश मात्र भी कल्पना थी कि निकट भविष्य में यह व्यक्ति गुजरात का मुख्यमंत्री बनेगा और कालान्तर में भारत का प्रधानमंत्री बन विश्व के शक्तिशाली नेताओं मे इसका नाम शामिल होगा। अटलजी ने अपने भाषण से उपस्थित समुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया।

अंश-208

निर्माणाधीन 'डब्लूओएच' में करें सहयोग

1. डायग्नोसिस, सर्जरी, कृत्रिम लिम्ब, आईसीयु, पोस्ट ओपीडी, देखभाल एवं दवाइयां
2. दिव्यांग के लिए रोजगार प्रशिक्षण अकादमी
3. दिव्यांगों के लिए कला अकादमी।
4. भोजन सेवा।
5. दिव्यांगों, मरीजों के लिए आवास एवं भोजन कक्ष।
6. मरीजों एवं परिचारकों के लिए आवास।
7. मंथन एवं चितन/गुरूदेव विंग।
8. अतिथियों के लिए आवास और आतिथ्य ।
9. दान प्रबंधन और प्रशासन विंग।

हृदय रोग–युवाओं में बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा

हृदय रोग का मतलब है हृदय की मांसपेशियों तक रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में किसी भी कारण से रक्त के प्रवाह में रूकावट पैदा होना। इस कारण हृदय की मांसपेशियों को भोजन व ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और वो मरने लगती हैं। कमजोर पड़ा हृदय शरीर में रक्त के प्रवाह को कायम नहीं रख पाता और जान जाने का खतरा पैदा हो जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को हार्ट अटैक आना कहा जाता है। हार्ट अटैक से पहले वयस्कों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब यह तेजी से युवाओं की बीमारी बनती जा रही है। इससे ग्रस्त होने की औसत उम्र 40 से घटकर 30 साल हो गई है।

क्या है रिस्क फैक्टर

- आनुवांशिक कारण अगर माता–पिता को हृदय रोग हो।
- शरीरिक रूप से सक्रिय न रहना, कोई व्यायाम–योग–चहलकदमी न करना।
- खानपान की गलत आदतें जैसे अधिक कार्बोहाइड्रेट, कम प्रोटीन, उच्च वसा वाली डाइट्स।
- रक्त में कोलेस्ट्रॉल और शुगर का उच्च स्तर।
- रक्तदाब अधिक होना।

लक्षण

- छाती में दर्द, घबराहट।
- पसीना अधिक आना।
- दिल की धड़कन तेज हो जाना।
- चलने और सीढ़ियों पर चढ़ने में छाती में दर्द होना, सांस फूलना।
- ठंडा पसीना आना।
- डायबिटीज के रोगियों में ये लक्षण दिखाई नहीं देते हैं, ऐसे लोग साइलेंट हार्ट अटैक के शिकार होते हैं।

क्या करें

- तनाव न पालें, जीवन का आनंद लें।
- व्यायाम करें, इससे मेटाबॉलिज्म बढ़ेगा, मोटापा व थकान कम होगी।
- रक्त में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखें।
- संतुलित और पोषक भोजन सेवन करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें।
- ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, बीपी जांच। नियमित रूप से ईसीजी कराएं (अगर हृदय रोगों की आशंका हो तो ईको और टीएमटी कराए)।

अनुभव अमृतम्

9:30 बजे राजमल जी भाईसाहब का लैण्ड लाइन फोन बजा उस समय मोबाईल तो आये भी नहीं थे– भैया। रिंग बजी, फोन उठाते हैं। उधर से मोहन लाल जी या सोहन लाल जी कार्यकर्त्ता बोलते हैं। भाईसाहब मेरी तो तैयारी थी आपके साथ चलने की बाड़मेर। लेकिन घंटे दो घंटे पहले मुझे मलेरिया हो गया, बुखार आ गया। ठण्ड बहुत लग रही है।

मैं तो धूज रहा हूँ। कैसे चल पाऊंगा आपके साथ? दो–दो कम्बल ओढ़ रखी है। राजमल जी भाई साहब के चेहरे पर चिंता की कुछ लकीरें, मुझ छोटे से आदमी कैलाश को दिखाई दी। कोई बात नहीं भाई आपके बिना दिक्कत तो होगी। डॉ साहब तो राजकोट से आये हुए हैं, गुजरात से। आपके साथ का बड़ा सहारा था, लेकिन क्या करें? जैसे प्रभु की इच्छा फोन रख दिया। मैंने कहा भाई साहब आपकी आज्ञा हो तो मैं 6 दिन आपके साथ चलूं। मैं फोन की बात से समझ गया हूँ। एक कार्यकर्त्ता नहीं आ पा रहे हैं। वो चकित हो गये। आप कैसे? आज तो सण्डे है इसलिए आये हैं, कल तो आपको ड्यूटी पर जाना है। 6 दिन कैसे चलोगे? आप सरकारी सर्विस में है।

मैंने कहा आपकी आज्ञा हो तो में इसी टेलिफोन से एक फोन करके पोस्ट मास्टर साहब से छुट्टी ले लूंगा। मेरे उनके सम्बन्ध बहुत अच्छे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है वो छुट्टी दे देंगे। ऐसा ही हुआ। मैंने आदरणीय सुरेशचन्द्र जी जैन साहब को टेलिफोन किया। पोस्ट मास्टर साहब ने कहा, हाँ –हाँ आप 6 दिन छुट्टी पर जाओ।

सेवा ईश्वरीय उपहार– 88 (कैलाश 'मानव')

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999
आपके अपने संस्थान का पता
नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है
www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com
: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023